शोहरतगढ (उ.प्र.) में 19 सितम्बर 1893 को एक सम्पन्न परिवार में जन्मे ठाकुर जयदेव सिंह ने स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई निरन्तर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। सुश्री एनी बेसेन्ट,बाबू भगवानदास तथा आचार्य नरेन्द्रदेव से ठाकुरजी को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, अनेक ख्यातिलब्ध मनीषियों से उन्होंने दर्शन और सङ्गीतशास्त्र के गूढ़ रहस्यों को समझा। इन मनीषियों में महामहोपाध्याय पण्डित गोपीनाथ कविराज, काश्मीर के शैव साधक स्वामी लक्ष्मण जू; सङ्गीतविद् पण्डित नानूभैया तैलङ्ग तथा पण्डित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर इत्यादि से उन्हें विशेष ज्ञानार्जन प्राप्त हुआ।

ठाकुर जयदेव सिंह 1956 में युवराज दत्त महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी के प्राचार्य नियुक्त हुये परन्तु इसी वर्ष के दौरान ठाकुरजी ने आकाशवाणी में मुख्य प्रसारणकर्ता (शास्त्रीय सङ्गीत) का पदग्रहण किया। बारह वर्षों तक आकाशवाणी में ठाकुरजी ने शास्त्रीय सङ्गीत के उत्थान के लिये महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। 1962 में ठाकुरजी बनारस में आकर रहे और पूर्णतया स्वाध्याय में अपना जीवनयापन करने लगे। काश्मीर शैवदर्शन, सङ्गीतशास्त्र एवं सन्त कबीर के साहित्य पर प्रकाशित अनेक ग्रन्थ उनके चिन्तन, मनन एवं अध्यवसाय के परिचायक हैं। वे एक गहन विचारक, उत्कृष्ट कोटि के लेखक तथा प्रखर वक्ता थे। चाहे व्याख्यान हो या लेखन, दोनों ही विधाओं में वे गूढ़ पारिभाषिक शब्दों की सरल व्याख्या करने और विषय को सरलता से स्पष्ट करने का वैशिष्ट्य रखते थे। वर्ष 1974 में उच्च राष्ट्रीय सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित ठाकुरजी को कई अन्य सम्मानों और पुरस्कारों से भी अलंकृत किया गया। हिन्दी संस्थान, उत्तरप्रदेश ने 1978 में सम्मानित किया, मध्यप्रदेश सरकार ने 1983 में तानसेन पुरस्कार से पुरस्कृत किया। उन्हें उत्तरप्रदेश की सङ्गीत नाटक अकादमी का अध्यक्ष चुना गया तथा आजीवन सदस्यता भी प्रदान की गई थी। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और कानपुर विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें मानद डी. लिट्. की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं इन्दिरा कला सङ्गीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ द्वारा 'सङ्गीत वाचस्पति' की उपाधि, सङ्गीत विद्यापीठ, मुम्बई द्वारा 'शारङ्गदेव फैलोशिप' से अलंकृत किया गया।

अपनी आयु के अन्तिम दिन तक एक नियमित और संयमित जीवनयापन करते हुये ठाकुरजी ने वर्ष 1986 में 27 मई के दिन इस नश्वर काया को छोड़कर परलोक गमन किया। उनके व्यक्तिगत सङ्ग्रह की 1100 दुर्लभ पुस्तकों तथा अन्य वस्तुओं को उनकी एक ही सन्तान श्रीमती मंजुश्री सिंह ने इ.गाँ.रा.क. केन्द्र को दान दिया है। यह सङ्ग्रह कलानिधि विभाग में ठाकुर जयदेव सिंह सङ्ग्रह के नाम से संरक्षित है। केन्द्र ने ठाकुर जयदेव सिंह के सारगर्भित एवं तथ्यपरक व्याख्यानों, लेखों, आलेखों इत्यादि को एकत्रकर सम्पादन करने के बाद उन्हें दो खण्डों में प्रकाशित किया है। "सङ्गीत साहित्य दर्शन" नामक यह संकलन भारतीय परम्परा के नैसर्गिक चिन्तन पर अत्यन्त महत्त्वपूर्ण प्रकाश डालता है।


इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

www.ignca.nic.in @IGNCA @ignca-delhi @ignca-delhi

ईमेल् - kalakosa.hod@gmail.com दूरभाष - 011-2338 8438


MINISTRY OF CULTURE · GOVERNMENT OF INDIA

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

# इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

# ठाकुर जयदेव सिंह
# 126वाँ जन्मदिवस समारोह

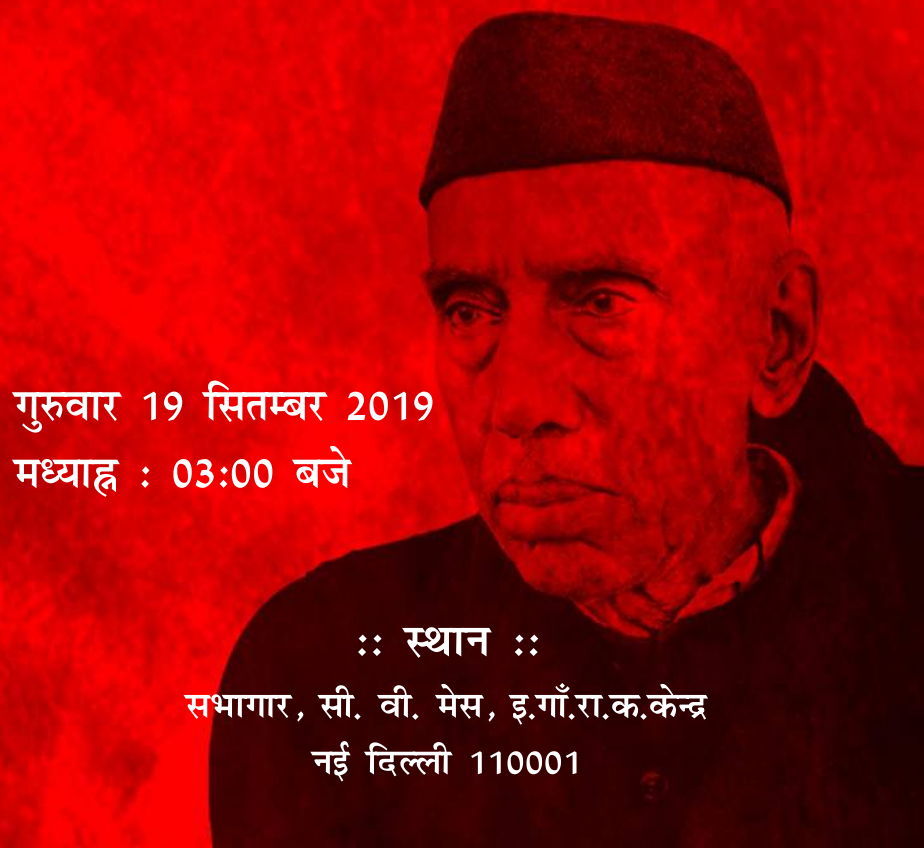

**गुरुवार 19 सितम्बर 2019**

**मध्याह्न : 03:00 बजे**

**:: स्थान ::**

**सभागार, सी. वी. मेस, इ.गाँ.रा.क.केन्द्र**

**नई दिल्ली 110001**

# इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

## ठाकुर जयदेव सिंह
## 126वाँ जन्मदिवस समारोह

**इस कार्यक्रम में आपको सादर आमन्त्रित करता है।**

**:: मुख्य अतिथि ::**

**माननीया डॉ. कपिला वात्स्यायन**

अध्यक्ष, आईआईसी एशिया प्रोजेक्ट
नई दिल्ली

**:: अध्यक्ष ::**

**डॉ. सच्चिदानंद जोशी**

सदस्य सचिव, इ.गाँ.रा.क.केन्द्र
नई दिल्ली

**गुरुवार 19 सितम्बर 2019, मध्याह्न 03:00 बजे**

उत्तरापेक्षी : 011 23388438

नजदीकी मेट्रो स्टेशन : केन्द्रीय सचिवालय
गेट नं. 2, जनपथ गेट नं. 1 तथा 4

**:: संस्मरण गाथा ::**

डॉ. ऊर्मिला शर्मा
डॉ. मञ्जु सुन्दरम्
डॉ. शन्नो खुराना
पं. ऋत्विक् सान्याल

**:: ग्रन्थ विमोचन ::**

**सङ्गीत-साहित्य-दर्शन**

इ.गाँ.रा.क.केन्द्र प्रकाशन

**:: विशिष्ट व्याख्यान ::**

**'भारतीय दर्शन की मुख्य धारा में काश्मीर शैवों का प्रस्थानगत मौलिक स्वरूप'**

**प्रो. नवजीवन रस्तोगी**

काश्मीर शैवागम के प्रख्यात विद्वान्

**:: नादाधीनं जगत् ::**

**डॉ. शन्नो खुराना**

पद्मभूषण प्रख्यात शास्त्रीय सङ्गीत विदुषी

**:: ध्रुपदगायन ::**

**पं. ऋत्विक् सान्याल**

विख्यात गायन-कला-मर्मज्ञ

**:: चित्र प्रदर्शनी ::**

**ठाकुर जयदेव सिंह : जीवनदर्शन एवं कृतित्व**

कलानिधि विभाग

**:: स्थान ::**

**सभागार, सी. वी. मेस, इ.गाँ.रा.क.केन्द्र**
**नई दिल्ली 110001**